भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 941

गुरुवार, 9 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत पर्यटन सर्किट

941. श्री धनंजय भीमराव महादिकः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) को आगे बढ़ रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एसडीएस के तहत जनजातीय और ग्रामीण परिपथों के विकास के लिए कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को पर्यटन परिपथों के विकास के लिए महाराष्ट्र से प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) क्या सभी चिन्हित पर्यटन परिपथों को चालू कर दिया गया है, यदि हां, तो उक्त योजना के तहत प्रत्येक परिपथ में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): जी हां, महोदय। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों में कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। पर्यटन मंत्रालय ने अब सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के लिए अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में परिवर्तित किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत देश में जनजातीय थीम के तहत 4 परियोजनाओं और ग्रामीण थीम के तहत 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका विवरण अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत महाराष्ट्र में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

थीम/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि करोड़ रु. में
तटीय परिपथ/ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर , तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभाव का विकास	19.06
आध्यात्मिक परिपथ /2018-19	वाकी - अदासा - धापेवाड़ा - परादसिंहा - तेलनखंडी - गिराड का विकास	53.96

इसके अलावा, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत महाराष्ट्र में विकास के लिए एक गंतव्य के रूप में 'सिंधुदुर्ग' को चिह्नित किया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की है। पर्यटन मंत्रालय प्रत्येक परिपथ में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या के लिए परिपथ-वार डेटा नहीं रखता है।

****

अनुबंध

स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत पर्यटन सर्किट के संबंध में दिनांक 09.02.2023 के राज्य सभा लिखित प्रश्न संख्या 941 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण।

(क) स्वदेश दर्शन योजना के जनजातीय परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	वर्ष	परियोजना का नाम/स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि
1.	नगालैंड	(2015-16)	पेरेन - कोहिमा – वोखा में परिपथ का विकास	97.36
2.	छत्तीसगढ	(2015-16)	जशपुर - कुनकुरी - मैनपत - अंबिकापुर - महेशपुर - रतनपुर - कुर्दार-सरोदादादार- गंगरेल - कोंडागांव - नथियानवागांव - जगदलपुर - चित्रकूट - तीर्थगढ़ का विकास।	96.10
3.	तेलंगाना	(2016-17)	मुलुगु-लकनावरम-मेदवरम - तदवई - दमरवी - मल्लूर - बोगाथा जलप्रपात का विकास ।	79.87
4.	नागालैंड	(2016-17)	मोकोकचुंग - तुएनसांग - मोन का विकास	98.14

(ख) स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	बिहार	(2017-18)	गांधी परिपथ: भितिहरवा - चंद्रहिया - तुरकौलिया का विकास	44.27
2.	केरल	(2018-19)	मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	80.37

****